दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 102
मुरादाबाद
01 August 2025
(Friday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मालेगांव विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी; एनआईए कोर्ट का फैसला

महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले के लगभग 17 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत गुरुवार को फैसला सुनाया। यह सर्वाधिक संवेदनशील मामलों में से एक रहा है, क्योंकि इसमें हिंदू और भगवा आतंकवाद शब्दों का प्रयोग किया गया था।सितंबर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। इस विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियां बताईं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। विस्फोट के सभी छह पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और सभी घायलों को 50,000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे- पीड़ित परिवारों के वकील -पीड़ित परिवारों के वकील एडवोकेट शाहिद नदीम ने कहा कि बम विस्फोट की पुष्टि कोर्ट ने कर दी है। हम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे।क्या है मामला? 29 सितंबर 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थेकोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने फैसले में क्या-क्या कहा?- अदालत ने कहा, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता।

अदालत केवल धारणा और नैतिक साक्ष्य के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती। इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है। कोर्ट ने कहा, अभियोजन पक्ष ने साबित किया कि मालेगांव में विस्फोट हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं कर पाया कि उस मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि घायलों की संख्या 101 नहीं, बल्कि केवल 95 थी। कुछ मेडिकल प्रमाणपत्रों में भी हेराफेरी की गई थी। कोर्ट ने कहा, %श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। पंचनामा करते समय जांच अधिकारी की ओर से घटनास्थल का कोई स्केच नहीं बनाया गया था। घटनास्थल से कोई फिंगरप्रिंट, डंप डेटा या अन्य कोई जानकारी एकत्र नहीं की गई थी। नमूने गड़बड़ थे, इसलिए रिपोर्ट निर्णायक और विश्वसनीय नहीं हो सकी। विस्फोट में कथित रूप से शामिल बाइक का चेसिस नंबर स्पष्ट नहीं था। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। कोर्ट ने कहा, इस मामले में यूएपीए लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि नियमों के अनुसार मंजूरी नहीं ली गई थी। इस मामले में यूएपीए के दोनों मंजूरी आदेश दोषपूर्ण हैं। कोर्ट ने कहा, अभियोजन पक्ष ने अभिनव भारत संगठन को एक सामान्य संदर्भ के रूप में इस्तेमाल किया था। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि अभिनव भारत के धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया था। कोर्ट ने कहा, हमने एडीजी एटीएस को आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी के घर में विस्फोटक रखने के मामले की जांच शुरू करने का आदेश दिया है।

कौन-कौन आरोपी थे? इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। अभियोजन पक्ष का दावा था कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय को आतंकित करने के इरादे से दक्षिणपंथी चरमपंथियों ने विस्फोट की योजना बनाई थी।साध्वी प्रज्ञा ने क्या कहा? फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा था कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उनके पीछे कोई न कोई आधार जरूर होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया गया और मुझे गिरफ्तार करके प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझ पर आरोप लगाए गए और कोई भी हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जिंदा हूं, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। उन्होंने एक साजिश के तहत भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है और ईश्वर दोषियों को सजा देगा। हालांकि, भारत और भगवा को बदनाम करने वालों को आपने गलत साबित नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

अफजल गुरु की फांसी में देरी वाले शाह के बयान पर भड़के चिदंबरम, बोले- यह सरासर झूठ

राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि जब तक चिदंबरम गृह मंत्री हैं, तब तक अफजल गुरु को मौत की सजा नहीं दी जा सकती। इस पर पी चिदंबरम ने कहा कि यह बयान झूठ, तोड़-मरोड़ और भ्रामक बातों का मिश्रण है।कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने अफजल गुरु की फांसी में देरी वाले अमित शाह के बयान पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह सरासर झूठ और इसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि जब तक चिदंबरम गृह मंत्री हैं, तब तक अफजल गुरु को मौत की सजा नहीं दी जा सकती। इस पर पी चिदंबरम ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दिया कि जब तक पी. चिदंबरम गृह मंत्री थे, अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जा सकती थी। यह बयान झूठ, तोड़-मरोड़ और भ्रामक बातों का मिश्रण है। अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के बाद अफजल की पत्नी ने उसकी ओर से अक्टूबर 2006 में भारत के राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर की।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने 3-2-2013 को दया याचिका खारिज कर दी। अफजल गुरु को छह दिन बाद 9-2-2013 को फांसी दे दी गई। मेरी पूरे कार्यकाल के दौरान दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष लंबित रही। कानून यह है कि जब तक दया याचिका का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मृत्युदंड की सजा पर अमल नहीं किया

फंसे 800 श्रद्धालुओं को एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने निकाला, दो सौ यात्री दर्शन करके लौटे

भूस्खलन के कारण केदारनाथ पैदल मार्ग पर कई श्रद्धालु फंस गए थे। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व पुलिस श्रद्धालुओं को निकालने में लगी है।एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व पुलिस ने आज गुरुवार सुबह साढ़े दस बजे तक 800 यात्रियों को निकाला। मौके पर लगभग 60-70 यात्री रुके हैं। भारी बारिश की चेतावनी के बीच तैयारियों पर राज्य के आपदा सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि कहीं भी कोई महत्वपूर्ण नुकसान नहीं हुआ है। हमारा चार धाम मार्ग कुछ क्षेत्रों को छोड़कर ज्यादातर खुला है। सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच की सड़क पर मलबा है, लेकिन यह रोजाना खुली रहती है। इसी तरह, सिरोबगड़ में सड़क ज्यादातर दिनों में बंद रहती है। हम इसे फिर से खोल रहे हैं और स्थायी मरम्मत सुनिश्चित कर रहे हैं। गंगोत्री राजमार्ग पर गंगोत्री जाने वाला मार्ग बंद है, और पिथौरागढ़ में भी एक बंद है। लगभग 35 पीडब्ल्यूडी और ग्रामीण सड़कों को फिर से खोलने की कार्रवाई चल रही है। मुख्य सड़कें ज्यादातर खुली हैं और यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।लगातार बारिश जारी है और आईएमडी अलर्ट प्राप्त होने पर हम जिलों को अपडेट और सुरक्षा सावधानियां भेजते हैंआज सुबह दो सौ यात्री दर्शन करके लौटे हैं, जो कि पैदल ट्रैक पर हैं। बुधवार को एनडीआरएफ और एसडीआरफ ने गौरीकुंड से 2179 यात्रियों को अस्थायी पगडंडी का निर्माण कर जंगल के रास्ते सकुशल सोनप्रयाग पहुंचाया। यात्री बाबा केदार के दर्शन कर लौटे थे और राष्ट्रीय राजमार्ग के मुनकटिया के समीप भारी भूस्खलन के कारण बंद होने से फंस गये थे।बुधवार को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की अलग-अलग टीमें गौरीकुंड से यात्रियों को अस्थायी पंगड़ंगी के सहारे सोनप्रयाग पहुंचाने में जुटी रही। इस दौरान टीम ने गौरीकुंड से करीब एक किमी पहले हाईवे से जंगल की तरफ कच्चा अस्था रास्ता बनाया और यहां से यात्रियों को जंगल की तरफ भेजकर अन्य जवानों की मदद से सोनप्रयाग तक पहुंचाया।एसडीआरएफ के एसआई आशीष डिमरी ने बताया कि शाम 7 बजे तक 2179 यात्रियों को सोनप्रयाग सकुशल लाया गया है, जिसमें 1679 पुरूष, 414 महिलायें और 47 बच्चे शामिल हैं। बता दें कि यह सभी यात्री बीते मंगलवार को पैदल मार्ग से धाम पहुंचे थे।प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से एक राष्ट्रीय और दो राज्य मार्ग सहित 62 सड़कें बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रुद्रप्रयाग-केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग गौरीकुण्ड व सोनप्रयाग के बीच भूस्खलन की वजह से बंद है। जबकि राज्य मार्गों में उत्तरकाशी और नैनीताल में एक-एक राज्यमार्ग बंद है।

ट्रंप के टैरिफ पर राहुल गांधी का पीएम मोदी से सवाल, कहा- प्रधानमंत्री जवाब क्यों नहीं दे रहे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इस पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने पर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 30-32 बार दावा किया है कि उन्होंने युद्धविराम कराया। उन्होंने यह भी कहा कि पांच भारतीय जेट गिर गए। ट्रंप अब कहते हैं कि वह 25त्न टैरिफ लगाएंगे। इस पर पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? उनके हाथ में नियंत्रण किसके पास है?राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति प्रभावशाली है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? यह पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लिया। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जिन्होंने पहलगाम हमला किया राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं और पीएम मोदी कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली। ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सही तथ्य कहा है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अदाणी की मदद करने के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी केवल एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं और वह व्यक्ति अदाणी है। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार सौदा होगा और पीएम मोदी वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे। आज भारत के सामने मुख्य मुद्दा यह है कि सरकार ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। वे इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि टैरिफ पीएम मोदी की विफलता के कारण लगा है। पीएम मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दोस्ती भारत को महंगी पड़ रही है। पीएम मोदी की गलत नीतियों और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी दोस्ती के कारण भारत को नुकसान हो रहा है। 25 बार ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोक दिया है। पीएम मोदी संसद में इसके खिलाफ एक शब्द भी कहने को तैयार नहीं थे। हर दिन हम पर एक के बाद एक हमले हो रहे हैं। पीएम मोदी चुप हैं।कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि पिछले दो दिनों से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहे हैं। मुझे लगता है

एक किमी से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले स्कूलों का नहीं होगा विलय

यूपी में अब एक किमी से ज्यादा दूरी वाले स्कूलों का विलय नहीं होगा। वहीं, ऐसे स्कूलों का भी विलय नहीं होगा जहां 50 से ज्यादा बच्चे हैं।यूपी में कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को लेकर हो रहे विरोध को देखते हुए आदेश दिया गया है कि अब एक किमी से ज्यादा दूरी वाले स्कूलों को मर्ज नहीं किया जाएगा। वहीं, ऐसे स्कूल जहां पर विद्यार्थियों की संख्या 50 से ज्यादा है उनका भी विलय नहीं किया जाएगा। ये आदेश यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने दिया हैं। बता दें कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में शिक्षक संघ और अभिभावक प्रदेश सरकार के स्कूलों के विलय के फैसले का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान कई ऐसी भी शिकायतें आई हैं जिनमें अभिभावकों ने विलय के बाद नये स्कूल के काफी दूर होने की शिकायत की। इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।इस मौके पर लोकभवन में मीडिया को संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि बीते आठ वर्षों में परिषदीय स्कूलों की स्थिति में काफी सुधार आया है। सरकार ये सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि हर बच्चे को शिक्षा के अधिकार के तहत अच्छी शिक्षा मिले। इसके लिए स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। 2017 के बाद स्कूलों के हालात सुधारने के प्रयास किए गए जिसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश के 96 प्रतिशत स्कूलों में बच्चों के लिए पीने का पानी, शौचालय और सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। यूपी के पहले कई राज्यों में हो चुकी है पेयरिंग-बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश कोई पहला राज्य नहीं है जहां पर स्कूलों की पेयरिंग (विलय) की जा रही है। इसके पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा जैसे राज्यों में यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल और बच्चों के भविष्य को और बेहतर कैसे बना सकते हैं इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। राजस्थान में 2014 में इस प्रक्रिया के तहत 20 हजार स्कूलों का विलय किया गया। मध्य प्रदेश में 2018 में पहले चरण में 36 हजार विद्यालयों को और लगभग 16 हजार समेकित परिसरों को निर्मित किया गया। उड़ीसा में 2018-19 में 1800 विद्यालयों को पेयर किया जा चुका है। हिमाचल प्रदेश में भी 2022 व 2024 में चरणबद्ध तरीके से पेयरिंग की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया है। 69 हजार शिक्षक भर्ती पर जो कोर्ट का फैसला होगा उसका पालन करेंगे

बेसिक शिक्षा मंत्री ने 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण के मुद्दे पर कोर्ट में चल रहे मामले पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा हम उसका पालन करेंगे। सरकार कोर्ट की किसी भी प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकती है।

संपादकीय Editorial

These temples of death

Sorry, we are not insulting your faith nor considering it petty. You have faith in any deity, so you go to temples and pilgrimage sites to have darshan. Our curiosity and question is that why such pilgrimages, darshan of the deity turn into 'death'? Why do stampede accidents happen? Why are the temples of the deity situated across such inaccessible, rare and uneven, narrow paths? Does God keep testing his devotees? Are these deaths also the destiny of man? These questions are not going to shatter your faith. The paths to reach God can also be smooth, simple and easy. Now there is a stampede in the temple of Mata Mansa Devi in Haridwar, in which 8 innocent, innocent people died and 30-40 people are reported to be injured. The death toll may also increase, because 5 injured are reported to be 'serious'. On a narrow road, a crowd of 200-300 people were so stuck together that it was difficult to breathe. This is how a stampede occurred and deaths occurred. In fact, stampede accidents are inevitable at places where the crowd becomes uncontrolled or our police and administration do not have training in crowd control. They are Mandhar Devi Temple of Maharashtra (300 deaths), Chamunda Devi Temple of Rajasthan (224 deaths), Sabarimala Temple of Kerala (106 deaths), Ratangarh Mata Temple of MP (115 deaths), Baidyanath Dham of Jharkhand (11 deaths), Mata Vaishno Devi Temple of Jammu (12 deaths), Baba Siddhnath Temple of Bihar (7 deaths), Prayagraj Mahakumbh (30 deaths) and a long list of Tirupati Temple, Kamakhya Temple, Banke Bihari Temple of Vrindavan etc. Countless people visit these temples in view of their faith, but due to chaos, uncontrolled crowd, careless and insensitive police, they are crushed in the crowd and life comes to a full stop. Why does the divine miracle of the deity not take place in the premises of these temples, so that the devotees and devotees do not die by getting stuck in the stampede. We cannot forget the stampede in the satsang of Narayan Sakar Hari alias Bhole Baba in Hathras, UP on July 2, 2024, in which 121 people were killed. Most of them were women and children. Was Baba punished? We are asking the same question in the context of other stampedes that judicial inquiry is announced after every accident, but how many investigation reports were made public?

How many guilty and accountable faces were put in jail? The District Magistrate and Superintendent of Police can only be transferred. The government does not have more powers than that. Rumour is also a crime, which gives rise to accidents. Mansa Devi Temple is one of the 51 Shaktipeeths. Legend has it that the brain of Mata Sati fell here. Mata Sati is considered to be the previous birth of Mother Parvati, hence this temple is very popular. Actually the question is of system. The temple trust can give compensation of Rs 5 lakh each to the families of the deceased, but will not allow the narrow path to be converted into a corridor. We also humbly request the devotees to learn to take care of themselves. Do not bring children to such crowded places. This is a matter of devotion, not that you are going on a tour. If you see many times more crowd on a narrow path, then wait. Do not go for darshan on holidays. All days are auspicious and equal for the deity. When the crowd is less, then step on the path to the temple. This is also a matter of faith and devotion. The deity can accept your faith even while sitting at home. Devotees should learn to control the crowd themselves.

Modi government a mute spectator on Gaza crisis, Prime Minister will have to raise India's voice - Sonia Gandhi

India has always been a supporter of the two-state solution and a just peace between Israel and Palestine. In 1974, under the leadership of Indira Gandhi, India became the first non-Arab country to recognize the Palestine Liberation Organization-PLO as the sole and legitimate representative of the Palestinian people. In 1988, India was among the first countries to officially recognize Palestine. Nothing can justify the barbaric attacks by Hamas on innocent men, women and children in Israel on October 7, 2023 or the continued hostage-taking of the Israeli people thereafter. This must be repeatedly and unconditionally condemned, but as members of the international community and more than that, as human beings, it is our responsibility to recognize that the Israeli government's response and retaliation on the people of Gaza has not only been violent, but it is also completely criminal. Over the past two years, more than 55,000 Palestinian civilians have been killed, including 17,000 children. Most of the residential buildings in Gaza have been deliberately razed to the ground through continuous aerial bombardment. These include hospitals. The social structure there has completely collapsed. The events since October 2023 have been disturbing. The situation has become more heartbreaking in recent months. We have seen how humanitarian aid has also been weaponized as part of a dastardly strategy. The Israeli Defense Forces have imposed a military blockade on Gaza, disrupting the supply of medicines, food and fuel with cruel intent. The indiscriminate destruction of infrastructure and the unbridled massacre of civilians have led to a man-made tragedy. The blockade has made it even more horrific. The strategy of forcing people to die of hunger is undoubtedly a crime against humanity. In the midst of this devastation, Israel has either outright rejected or blocked humanitarian aid from the United Nations and other global organizations. Disregarding every idea of humanity, Israeli soldiers have ruthlessly fired on people who were trying to gather food for their families. The United Nations itself has expressed serious concern over this. The Israeli Defense Forces have also had to admit this horrific truth. According to almost all expert assessments of Israel's military occupation of Gaza, it is a campaign whose effect is akin to genocide and whose aim is to ethnically clean the Palestinians from the Gaza Strip. Its scale and consequences are reminiscent of the 'Nakba' tragedy of 1948, in which Palestinians were evicted from their homes. This cruelty is being done to fulfill some of the most despicable objectives. These include colonial mentality to the selfish interests of some greedy real estate businessmen. Unfortunately, the Gaza crisis has exposed the most serious weaknesses of the global system. UN General Assembly resolutions demanding an immediate, unconditional and permanent ceasefire in Gaza were completely ignored. The Security Council has failed to impose sanctions on the Israeli government for the attacks on civilians in Gaza and the large-scale destruction of their infrastructure. The International Court of Justice had directed Israel to stop acts of genocide and provide essential services and humanitarian aid to civilians on January 26, 2024. These were also ignored. Direct and indirect support from the US not only encouraged Israel to take these actions but also made them possible. When international laws and institutions have become almost inactive, the fight to protect the interests of the people of Gaza has now fallen on other countries. South Africa took a bold step and took Israel to the International Court of Justice and now Brazil has also joined this effort. France has decided to recognize the Palestinian state and countries like Britain, Canada have imposed sanctions on Israeli leaders promoting aggression in Gaza. Voices of protest are also growing within Israel itself. One of its former PMs has admitted to the reality of Israeli war crimes in Gaza. Amidst the rising global consciousness of this humanitarian crisis, it is a national shame that India has remained a silent spectator to this affront to humanity. India has long been a symbol of global justice. It inspired global movements against colonialism, raised its voice against imperialist domination during the Cold War era and led the international struggle against apartheid-ridden South Africa. India's abnegation of its values when innocent human beings are being brutally massacred is a blot on the national conscience, a neglect of our historical contribution and also a cowardly betrayal of our constitutional values. The Directive Principles of State Policy require the government to take effective steps to 'promote international peace and security, maintain just relations among nations and respect for international law and treaty duties', but Israel's blatant disregard for the basic concepts of international law, human rights and justice and our present government's moral cowardice in the face of it amount to a dereliction of duty towards our constitutional values. India has always been a supporter of the two-state solution and just peace between Israel and Palestine. In 1974, under Indira Gandhi's leadership, India became the first non-Arab country to recognise the Palestine Liberation Organisation (PLO) as the sole and legitimate representative of the Palestinian people. In 1988, India was among the first countries to officially recognise Palestine. Prime Minister Modi's shameful silence in the face of Israel's continued oppression of the people of Gaza is extremely disappointing. It is the height of moral cowardice. The time has come for him to speak out in clear and bold terms on behalf of the legacy that India has represented. Today, the Global South is once again looking to India for leadership on an issue that shakes the collective conscience of all humanity.

The helpless public, children, women and the elderly are in greater danger from the terror of stray dogs - Vijay Goyal

The central and state governments will have to find a solution to the stray dogs problem in collaboration with the local bodies. For this, the sterilization campaign should be made fast, transparent and technically capable. Dogs have not been counted for the last 15 years. Measures like GPS tracking should be implemented along with their counting. The Supreme Court has taken suo motu cognizance of the incidents of stray dog attacks and deaths due to rabies in many parts of the country and has expressed concern. The number of stray dogs in India is increasing rapidly. Due to them, public life and especially urban life are being affected extensively. This problem is not only emotional, but is also becoming a social, health and administrative crisis. According to government data, the number of dogs in the country is close to six crore, but it is estimated that this number is more than 12 crore. There are more than eight lakh dogs in Delhi alone and about 2,000 cases of dog bites are reported every day. In metros like Mumbai, Bengaluru, Kolkata, Lucknow, lakhs of dogs can be seen roaming on the streets. The situation is even more worrying in small cities and towns, because there are no concrete measures for their care or control. It is ironic that in cities inhabited by humans, children are now afraid of playing, elderly people are afraid of walking alone, people are afraid of walking and riding two-wheelers due to the terror of stray dogs. Dogs that attack suddenly are proving to be fatal. Their terror increases even more at night. The most frightening problem is stray dog bites and the disease caused by them, rabies. In India, every year 15-20 lakh people are bitten by dogs and about 20,000 deaths occur due to rabies. This number is the highest in the world. This puts an additional burden on the country's health services. Many times, the victim has to suffer serious consequences if he does not get the rabies vaccine on time. The situation is even worse in rural and backward areas. There are many organizations in the country that talk about animal rights, who are in favor of the protection of dogs. They say that these creatures are innocent, killing or removing them would be inhuman. Their sentiment is correct, but when these dogs become a threat to children, women and the elderly, shouldn't public interest be given priority? On one hand there is love for animals, on the other hand is human safety. This conflict has now reached the streets and courts. The Supreme Court recently commented in a case that those who love dogs should take them to their homes and feed them, not on the streets. Many Resident Welfare Associations (RWAs) are demanding that action be taken against those who feed dogs on the streets and all stray dogs should be sent to shelter homes. 'No Dog on Street Policy' should be implemented in cities. Although municipal corporations have an Animal Birth Control (ABC) scheme to control the population of stray dogs by sterilizing them, it has remained confined to paper. Sterilization and vaccination of dogs is not being done properly, because this work has been left mainly to NGOs, in which there is a lot of corruption. There is a need to amend the ABC Rules, 2023, as its rules put a lot of burden on societies. In these rules, people have been asked to feed the dogs in the society premises and fix a place for them. This often leads to disputes. Why are dogs left in the neighborhoods and societies even after sterilization? Dogs that are aggressive or biting should be removed from there. Stray dogs should be banned in residential complexes, so that the safety of the people can be ensured. People call government departments for help, complaints are registered, but action is negligible. Sometimes, when troubled people chase away the biting dogs, animal lovers or organizations file a case against them. Whether a dog is a pet or a stray, it should not get more importance than a human. The central and state governments will have to find a solution to stray dogs in collaboration with local bodies. For this, the sterilization campaign should be made fast, transparent and technically capable. Dogs have not been counted for the last 15 years. Along with counting them, measures like GPS tracking should be implemented. Dog shelters should be built in all cities. Animal lovers should be asked to adopt dogs. Today, if we can make apps for cabs, food delivery and payments, then why not for reporting and tracking stray dogs? Dogs have been a part of our civilization. They can be loyal companions, but when people's lives are endangered because of them, the definition of co-existence should change. We have to solve this problem with a balance of sensitivity and practicality. This is also necessary so that people do not look at dogs with hatred. The Kerala government has even talked about giving euthanasia (life-ending injection) to stray dogs. Our streets should be safe, children should play freely and people should not live in the shadow of fear. There should be a place for dogs too, but in a controlled and safe area.

मुरादाबाद बार चुनाव रिजल्ट: आनंद मोहन अध्यक्ष, कपिल गुप्ता बने महासचिव, 2221 अधिवक्ताओं ने किया था मतदान

दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी चुनाव में अध्यक्ष पद पर आनंद मोहन गुप्ता ने अमीरुल हसन जाफरी को बड़े अंतर से हराकर जीत दर्ज की। महासचिव पद पर कपिल गुप्ता ने राजेश कुमार को 41 वोटों से हराया। जीत के बाद समर्थकों खुशी जताई।दि बार एसोसिएशन में दूसरे दिन अध्यक्ष और मतगणना पूरी हो चुकी है। कपिल निकटतम प्रत्याशी राजेश कुमार को जीत प्राप्त कर ली है। अध्यक्ष पद मोहन गुप्ता ने अमीरुल हसन से हरा दिया है।अन्य पदों की रही है। जीत के बाद दोनों के वितरित कर खुशी जाहिर की। बजे मतगणना का कार्य शुरू किया से दोपहर दो बजे तक मतपत्रों दोपहर करीब साढ़े तीन बजे मतों हुई।21 पदों के लिए आठ टेबल राउंड से ही अध्यक्ष पद के मोहन गुप्ता ने अपने प्रतिद्वंद्वी जाफरी से बढ़त बना ली थी। राउंड तक आनंद मोहन गुप्ता 583 आगे चल रहे थे, जबकि महासचिव और राजेश कुमार के बीच कांटे मिली। कपिल गुप्ता 29 मतों से बढ़त बनाए हुए थे। कोषाध्यक्ष पद पर अजय बंसल और पारुल अग्रवाल के बीच जबरदस्त मुकाबला रहा। अजय बंसल 31 मतों से ही आगे हैं। शाम छह बजे एल्डर कमेटी के पदाधिकारियों ने मतगणना रोकने का फैसला किया। इससे अधिवक्ता आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे। अधिवक्ताओं की मांग थी कि अध्यक्ष और महासचिव पद की मतगणना कर ली जाए, लेकिन पदाधिकारी बृहस्पतिवार को ही मतगणना करने के फैसले पर अडिग रहे। उनका तर्क था कि शाम छह बजे तक ही मतगणना का समय निर्धारित किया गया था। इसके अलावा गिनती हो चुके मतपत्रों और शेष मतपत्रों को सील भी करना होता है और उसमें भी समय लगता है। इसके बाद मतगणना बृहस्पतिवार सुबह को शुरू हुई।

पेट में पेचकस घोंपकर ई रिक्शा चालक की दिनदहाड़े हत्या, रामपुर में सवारी बैठाने को लेकर दोनों में हुआ विवाद

रामपुर में सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में एक ई-रिक्शा चालक ने दूसरे के पेट में पेचकस घोंप दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी की रामपुर में सवारी ई रिक्शा चालक गए। इसके बाद सलीम (60) घोंप दिया। इससे मौत हो गई। वारदात को हमलावर ई रिक्शा भाग जानकारी मिलने पहुंची पुलिस ने ले लिया। पुलिस चालक की तलाश जारी है। बैठाने को लेकर दो आपस में भिड़ एक ने दूसरे चालक के पेट में पेचकस उसकी मौके पर ही दिनदहाड़े हुई अंजाम देने के बाद चालक मौके से निकला।घटना की के बाद मौके पर शव को कब्जे में हमलावर ई रिक्शा तलाश में जुट गई है। हत्या की यह वारदात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मैगजीन मोहल्ले में सुबह करीब दस बजे की है।गंज थाना क्षेत्र के घेर चंदन खां निवासी सलीम (60) मैगजीन मोहल्ले में सवारियां लेकर पहुंचा था। बताते हैं कि यहां से सवारियां उतारने के बाद वह दूसरी जगह की सवारियां भरने लगा। इस दौरान उसका विवाद पास में ही खड़े ई रिक्शा चालक से विवाद होने लगा।इसके बाद सलीम पर दूसरे चालक ने पेचकस से हमला कर दिया। इसमें वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पेचकस के हमले से घायल सलीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि सवारियां बैठाने को लेकर दूसरे ई रिक्शा चालक से विवाद हुआ था। इसी विवाद में सलीम पर पेचकस से हमला कर दिया गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस हमलावर ई रिक्शा चालक की गिरफ्तारी को प्रयास कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया दो रिक्शा चालकों के बीच कुछ विवाद को लेकर झगड़ा होने की बात सामने आई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

भाजपा किसी की सगी नहीं... और कुछ नहीं कहना है, कारोबारी की मौत पर अखिलेश यादव ने कसा तंज

मुरादाबाद में चेतन सैनी की मौत पर सपा नेता अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। इसके बाद इस पर राजनीति गरमा गई है। सत्ता पक्ष इसे राजनीतिक बयान बता रहा है।मुरादाबाद में चेतन सैनी की मौत पर समाजवादी पार्टी के नेता ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा %भाजपा किसी की सगी नहीं... और कुछ नहीं कहना है%। इस टिप्पणी को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। समर्थक इसे राजनीति से प्रेरित बयान करार दे रहे मौत का मामला गर्मा गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश सैनी के परिजनों से बात की और पूरे मामले की कि उन्हें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद अधिकारी जिम्मेदार है। उन्हें बख्शा नहीं पता चला कि भाजपा मंडल मंत्री विजेंद्र सैनी के की इच्छा जताई लेकिन जब तक शव पोस्टमार्टम पाठक ने अधिकारियों और भाजपा नेताओं से कहा जानकारी मिलते ही अफसरों में खलबची मच गई। यहां पहुंचकर उन्होंने मृतक के भाई विजेंद्र सैनी को उन्होंने एक मंत्री को कॉल लगा दी और मंडी सचिव के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।उन्होंने विजेंद्र सैनी से कहा कि उनकी हर बात सुनी जाएगी। इस मामले में जो भी अधिकारी दोषी होगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि मुरादाबाद में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। हमारे कार्यकर्ताओं के साथ गलत कार्य कर रहे हैं। शासन में बैठे उच्चाधिकारियों को पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। अधिकारियों को मनमानी नहीं करने देंगे।बसपा ने की घटना की निंदा- बसपा ने मंडी समिति प्रकरण को निराशाजनक बताया है। पार्टी के जिलाध्यक्ष निर्मल सिंह सागर ने कहा कि मंडी समिति में प्रशासन की ओर से हुई कार्रवाई से आहत होकर चेतन सैनी ने आत्महत्या कर ली है जो बहुत ही निराशाजनक है। पार्टी इस प्रशासनिक कार्रवाई की निंदा करती है। इस सरकार में न तो गरीब आदमी सुरक्षित है और न ही आम आदमी।अधिकारियों के खिलाफ जताया आक्रोश- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की गोल्डन प्लाजा स्टेशन रोड पर हुई बैठक में लाइन पार मंडी समिति के व्यापारी चेतन सैनी द्वारा की गई आत्महत्या पर व्यापारियों ने अधिकारियों के खिलाफ रोष व्यक्त किया। जिला अध्यक्ष हरीश भसीन ने कहा कुछ अधिकारी जो समाजवादी पार्टी की मानसिकता रखते हैं वह लगातार कोई कार्य ऐसा कर रहे हैं जिससे भारतीय जनता पार्टी की छवि खराब हो रही है। हमारी मुख्यमंत्री से मांग है कि ऐसे अधिकारियों को तुरंत मुरादाबाद से हटाया जाए। इस मौके पर महामंत्री पुनीत अग्रवाल, रूप कमल महेश्वरी, गुलशन आहूजा, संजीव गुप्ता, कुशाल टंडन आदि मौजूद रहे।मंडी में बुलडोजर कार्रवाई से आहत भाजपा नेता के भाई ने छत से कूदकर दी जान- मुरादाबाद की मंडी समिति में प्रशासन की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई से आहत आढ़ती चेतन सैनी (35) ने मंगलवार की रात 11 बजे अपनी पत्नी चंचल और भाई भाजपा नेता विजेंद्र सैनी की मौजूदगी में छत से कूदकर जान दे दी। बुधवार सुबह इसकी जानकारी मिलने पर अन्य आढ़ती लाइनपार गणेश नगर में उनके घर पर जुट गए और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए हंगामा किया। वह बुलडोजर चलवाने वालों पर कार्रवाई की मांग करने लगे।मुरादाबाद पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजनों से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस मामले में जो भी अधिकारी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मझोला के लाइनपार गणेश नगर गली नंबर दो में हुकुम सिंह का दो मंजिला मकान है।उनकी मंडी समिति में हुकुम सिंह एंड कंपनी और उमेश एंड ब्रदर्स नाम से दो आढ़त हैं। हुकुम सिंह के चार बेटे उमेश सैनी, नीरज सैनी, चेतन सैनी और विजेंद्र सैनी आढ़त में फल का कारोबार करते हैं। सबसे छोटे बेटे विजेंद्र सैनी भाजपा के लाइनपार मंडल के मंत्री हैं। सोमवार की दोपहर मंडी समिति के सचिव संजीव कुमार के साथ कुछ लोगों ने दफ्तर में घुसकर मारपीट की थी। अगले दिन मंगलवार को भारी पुलिस फोर्स के साथ मंडी समिति पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने अतिक्रमण बताकर 100 से ज्यादा दुकानों के बाहर किए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया था। प्रशासन की इस कार्रवाई की जद में विजेंद्र सैनी और उनके भाइयों की दुकानें भी आ गई थीं जिसमें उनका लाखों रुपये का नुकसान हो गया।विजेंद्र सैनी का दावा है कि इस कार्रवाई से उनके भाई बहुत दुखी थे। परिवार के लोगों ने उन्हें बहुत समझाया लेकिन वह आत्महत्या करने की बात कर रहे थे। मंगलवार रात करीब 11 बजे उन्होंने छत से गली में छलांग लगा दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। विजेंद्र और अन्य परिजन चेतन को लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर घर चले गए। बुधवार सुबह इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घर पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

60 करोड़ की लागत से बरेली से मुरादाबाद हाईवे होगा हाईटेक

लागू होगी उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली, एनएचएआई ने दी मंजूरी

मुरादाबाद - बरेली से लेकर मुरादाबाद तक राष्ट्रीय राजमार्ग 60 करोड़ रुपयों की लागत से हाईटेक बनाया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली को लागू कराने के लिए 60 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी गई है। हाइवे की अब सीसीटीवी से निगरानी होगी, जबकि ओवर स्पीड होने पर स्वतः ई-चालान कटेगा।जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह द्वारा पत्राचार और बैठकें करते हुए एनएचएआई अधिकारियों को सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के लिए निर्देश मिलते रहे हैं। परियोजना निदेशक एनएचएआई मुरादाबाद अरविंद कुमार ने बताया कि यातायात निगरानी कैमरा प्रणाली के अंतर्गत 136 कैमरे लगाए जाएंगे। वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एंड एनफोर्समेंट सिस्टम के अंतर्गत 22 कैमरे के साथ-साथ फिक्स्ड पोर्टेबल वेरिएबल मैनेज साइन सिस्टम और वाहन सक्रिय गति प्रदर्शन प्रणाली भी प्रभावी बनाई जाएगी। इस उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने के उपरांत राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज वाहन चलाने वालों का स्वत: ई-चालान हो जाएगा। यह प्रक्रिया परिवहन विभाग की निगरानी में होगी। किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति में साक्ष्य और वास्तविक स्थिति के वीडियो और फोटो भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

पॉक्सो के दोषी को 12 वर्ष का कारावास व 31 हजार जुर्माना

मुरादाबाद - कोर्ट ने पॉक्सो ने दोषी को 12 वर्ष का कारावास व 31 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। शासकीय अधिवक्ता पॉक्सो एक्ट नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि थाना धनारी के एक गांव निवासी ने थाने में तहरीर दी कि 6 सितंबर 2016 की सुबह 4 बजे उसकी 16 वर्षीय पुत्री घर से गायब थी। गांव के दो युवकों ने बताया कि उनकी पुत्री को तेजपाल उर्फ तेजराम के साथ देखा है। पीड़ित पिता ने बताया कि उसकी पुत्री घर से जेवर ले गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी तेजपाल व उसकी मां कलावती के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली। तेजपाल के विरुद्ध 376 व पॉक्सो एक्ट बढ़ाई गई। उक्त वाद की सुनवाई न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो की न्यायालय में हुई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुना। जिसमें कलावती को दोषमुक्त कर दिया। जबकि तेजपाल को दोषी मानते हुए 12 वर्ष का कारावास व 31 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

ग्राम प्रधान के साथ मारपीट में दरोगा लाइन हाजिर

हयातनगर थाने के दरोगा ने ग्राम प्रधान को हवालात में बंद कर मारे थे पट्टे

मुरादाबाद - ग्राम प्रधान के साथ मारपीट करने वाले दरोगा व थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिला सैनी शाक्य, मौर्य, कुशवाहा महासभा से जुड़े लोग बुधवार को भाजपा नेता राजेश सिंघल के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक से मिले। देर शाम एसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया। हयातनगर थाने के दरोगा ने कमलपुर सराय के ग्राम प्रधान मेवाराम सैनी को हिरासत में लेकर पिटाई की थी। इस मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर जिला सैनी ,शाक्य, मौर्य, कुशवाहा महासभा के पदाधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक उतरी राजेश श्रीवास्तव से मिले। इन लोगों के साथ भारतीय जनता पार्टी की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल व सुरेश सैनी भी थे। कहा कि थाना प्रभारी ने गालियां देने के बाद ग्राम प्रधान को हवालात में बंद कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी संजीव कुमार ने हल्का दरोगा अंकित को फोन कर कहा कि आज रात को इस प्रधान की नेतागिरी निकालनी है। रात में अंकित दरोगा सिपाहियों के साथ पहुंचा और अमानवीय तरीके से ग्राम प्रधान को 100 पट्टे मारकर लहू लुहान कर दिया। अनिल सैनी, हरद्वारी लाल, ऋषिपाल सिंह ,राजेंद्र कुमार, मेवाराम, प्रमोद सैनी आदि लोग मौजूद रहे। उधर भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने बताया कि वह शाम को ग्राम प्रधान के साथ एसपी से मिले थे। एसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। बाकी कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आधी रात में महिला की हत्या, पति बोला- लूट के विरोध में बदमाशों ने मारा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला क्षेत्र में बीती देर रात एक बड़ी सनसनी खेज वारदात हुई। आंवला-वजीरगंज रोड पर एक महिला की हत्या कर दी। वह अपने पति के साथ बाइक से घर जा रही थी। पति का कहना है कि बदमाशों ने रास्तें उन्हें घेर लिया। उनसे लूटपाट की। विरोध करने पर बदमाशों ने पत्नी की हत्या कर दी। उसके चहरे पर किसी धारदार हथियार से प्रहार किया है। मृतका के पति को मामूली चोट आई है। उसके सीने पर खरोंच के निशान है।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसएसपी और एसपी दक्षिणी ने रात में ही घटनास्थल का निरीक्षण किया। बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र के बियोली गांव निवासी ओम शरण मौर्य (40 वर्ष) ने बताया कि वह बुधवार रात अपनी ससुराल आंवला थाने के गांव मोतीपुरा से पत्नी अमरवती (35 वर्ष) को बाइक पर बैठाकर घर जा रहे थे। आंवला-वजीरगंज रोड पर उसैता गांव के पास चार बदमाशों ने घेर लिया। लूटपाट करने लगे। बदमाशों ने नकदी-जेवर छीन लिए। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। पत्नी पर किसी हथियार से वार किया, जिससे उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। इसके बाद ओम शरण मौर्य ने अपने रिश्तेदार को कॉल किया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायल दंपती को सीएचसी भिजवाया, जहां चिकित्सक ने अमरवती को मृत घोषित कर दिया। घटना का उद्देश्य सिर्फ हत्या, लूट नहीं लूट और हत्या की सूचना मिलने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा पुलिस फोर्स के साथ रात में ही घटनास्थल पर पहुंचे। अस्पताल पहुंचकर पीड़ित से जानकारी की। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि घटनास्थल पर जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। महिला के पति के कोई चोट नहीं है। आभूषण, बैग, मोबाइल व बाइक घटनास्थल से ही बरामद हुई है। इससे स्पष्ट है कि घटना उद्देश्य लूट नहीं, सिर्फ हत्या है। एसपी दक्षिणी के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। जल्द ही घटना का सही अनावरण किया जाएगा।

शहर के अंदर रफ्तार का कहर डिवाइडर में घुसे बेकाबू ट्रक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। ओवरलोडेड ट्रक शहर में किस तरह बेकाबू होकर रफ्तार भर रहे हैं, इसका उदाहरण बुधवार देर रात दो जगह देखने को मिला। गन्ना मिल और कोतवाली के आगे अलग-अलग हादसों में ट्रक डिवाइडर में जा घुसे। दोनों ही मामलों में ट्रक डिवाइडर में जा घुसे। गन्ना मिल के पास हुए हादसे के बाद ट्रक में आग लग गई। पहला मामला गन्ना मिल के पास का है। चौपुला पुल की ओर से तेज रफ्तार ट्रक गन्ना मिल के पास डिवाइडर में जा घुसा। ट्रक के तीन पहिए अलग हो गए और आग लग गई। मौके पर पांच मिनट में पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। अगर मौके पर आज नहीं बुझाई जाती तो पड़ोस में खड़े ट्रक और अन्य वाहन भी चपेट में आ सकते थे। ड्राइवर मौके से फरार हो गया। थाना सुभाष नगर पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। दूसरे मामला कुतुबखाना पुल के आगे कोतवाली के सामने का है। देर रात ब्रेक फेल होने के बाद ट्रक ड्राइवर अपना संतुलन खो बैठा। बेकाबू ट्रक डिवाइडर में जा घुसा। ट्रक पूरी तरह ओवरलोडेड था। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया गुरुवार दोपहर तक ट्रक को नहीं हटाया गया था।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का वितरण 2 अगस्त को, जिले में पी.एम. किसान दिवस मनाया जाएगा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि की 20वीं किस्त का वितरण आगामी 2 अगस्त 2025 को किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी से राष्ट्रीय स्तर पर किस्त वितरण का शुभारंभ करेंगे। यह दिन पूरे देश में पी.एम. किसान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिले में इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष अथवा एन.आई.सी. वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर रवीन्?द्र कुमार चौधरी ने आयोजन की सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को जिला और विकासखंड स्तरीय कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रोजेक्टर या बड़ी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। जिले की समस्त ग्रामपंचायतों में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को हर वर्ष ?6,000 की आर्थिक सहायता तीन किस्तों में प्रदान की जाती है, जिससे किसानों को खेती के लिए आर्थिक सहयोग मिल सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने महिला मंगल दलों को खेल सामग्री का किया वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रोत्साहन स्वरूप खेल सामग्री वितरण हेतु चयनित 216 युवक एवं 233 महिला मंगल दलों को खेल सामग्री का वितरण आज मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने विकास भवन स्थित सभागार में किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, उपनिदेशक युवा कल्याण एवं पी0आर0डी0 आदित्य कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी फैसल खां, प्रधान सहायक, वरिष्ठ सहायक कनिष्ठ सहायक के अतिरिक्त विजेन्द्र कुमार, लवलेश कुमार, शेफाली शर्मा, कोमल गौतम, अंकुर कुशवाहा आदि का योगदान रहा। यह जानकारी जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी विशाल कुमार द्वारा दी गयी।

लंबे समय से गैरहाजिर चल रहे डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग करेगा कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक ओर जहां स्वास्थ्य विभाग लंबे समय से डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर मंडल में 50 से ज्यादा डॉक्टर सालों से विभाग को बिना सूचना दिए गैरहाजिर चल रहे हैं। मरीजों का इलाज और सरकारी कार्य प्रभावित हो रहा है। इन डॉक्टरों पर कार्रवाई की तैयारी एडी हेल्थ कार्यालय की ओर से की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मंडल में तैनात रहे कई ऐसे डॉक्टर हैं, जिन पर आरोप पत्र जारी करने के साथ ही विभाग की ओर से जुर्माना भी डाला जाएगा। हालांकि जुर्माना डालने से पहले एडी हेल्थ के आदेश पर संबंधित जिलों के सीएमओ ने इन डॉक्टरों को नोटिस भी जारी कर दिया है। एडी हेल्थ डॉ. साधना अग्रवाल ने बताया कि बिना सूचना गायब डॉक्टरों को नियमानुसार नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं। नोटिस का संज्ञान न लेने पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बरेली में 3, पीलीभीत में 2 समेत 50 से अधिक डॉक्टर मंडल में लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर इलाहाबाद जनकल्याण समिति द्वारा आयोजन, वर्षा के बीच भी दिखा उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / प्रयागराज- प्रसिद्ध हिंदी और उर्दू साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर इलाहाबाद जनकल्याण समिति के बैनर तले दरियाबाद, प्रयागराज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निरंतर हो रही बारिश के बावजूद समिति के कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेमचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और प्रज्वलन से हुई। इसके बाद वक्ताओं ने उनके साहित्यिक योगदान और सामाजिक सरोकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रेमचंद जी की विचारधारा आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। समिति के अध्यक्ष ने मोहम्मद हन्जला बताया कि, हमारा उद्देश्य प्रेमचंद जी की मानवतावादी सोच और सामाजिक न्याय के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। बारिश की परवाह किए बिना लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि साहित्य और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी कितनी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य रूप.जुबैर अहमद परशुराम चौहान. कृष्ण गोपाल जी.मोहम्मद नासिर जी.मौअज़्ज़म आंसरी

आज से लागू होगा नया सर्किल रेट, कुछ इलाकों में आसमान को छुएंगी जमीनों की कीमतें

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नया सर्किल रेट आज से प्रभावी हो रहा है। उससे पहले बैनामा कराने वालों की उप निबंधक कार्यालयों में भीड़ उमड़ रही है। प्रस्तावित नए डीएम सर्किल रेट के अनुसार बरेली महानगर में आवास विकास व सिविल लाइंस में जमीन के भाव सबसे ज्यादा बढ़े हैं। मेगा मेंशन के आसपास की जमीन के भाव सबसे कम हैं। ऐसे ही हाफिजपुर में 22 हजार की जगह अब 26 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर पर भूमि का सर्किल रेट तय हो रहा है। महानगर में आवास विकास सिविल लाइंस, मेगा मेंशन, रहीम पैलेस और कस्बा हाफिजपुर में सर्वाधिक सर्किल रेट प्रस्तावित होने से जहां बैनामे महंगे होंगे। वहीं, जमीन के बाजारू मूल्य में भी बेताहशा वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बार प्रशासन ने सभी तहसीलों के गांव में कुछ न कुछ वृद्धि प्रस्तावित की है। जिन क्षेत्रों में पिछले वर्ष बैनामों की संख्या में कमी रही, वहां के सर्किल रेट में रियायत हुई है। एआईजी स्टांप तेज सिंह यादव ने बताया कि नए सर्किल रेट में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है। इसमें जहां व्यवसायिक गतिविधियां अधिक हैं और सर्किल रेट कम था, वहां उसी क्रम में वृद्धि की गई है। एक अगस्त से नया सर्किल रेट प्रभावी होगा।

डीएम ने श्रावण माह के बाद अभियान चलाकर ई-रिक्शा को मुख्य क्षेत्रों से हटाए जाने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। हाउस टैक्स जमा कराने हेतु कैम्प लगाने व उसका प्रचार-प्रसार कराने के दिए निर्देश-जिलाधिकारी ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आज जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों के उपस्थित ना होने पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में व्यापारियों द्वारा महादेव पुल के नीचे अतिक्रमण हटवाने के लिए कहा गया, जिससे अनाधिकृत दुकाने ना लगे और प्रशासन को राजस्व का नुकसान ना हो। बैठक में व्यापारियों द्वारा अवगत कराया गया कि शिवाजी मार्ग आलमगिरी गंज क्षेत्र में दिन के समय जाम की स्थिति में सुधार हेतु चार पहिया वाहन का आवागमन बंद कराने व ई-रिक्शा आदि को वन वे कारण करने का अनुरोध किया गया। जिस पर यातायात विभाग द्वारा बताया गया कि 130 ई-रिक्शा सीज किये गये हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि श्रावण माह के बाद अभियान चलाकर ई-रिक्शा को प्रतिबंधित क्षेत्रों से हटवाया जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि शोभा यात्रा में बहुत तेज आवाज में डीजे बजते हैं उस पर रोक लगायी जाए तथा निर्धारित आवाज की ही अनुमति दी जाए। बैठक में अवगत कराया गया

तेलियरगंज में एंजिल्स मेकअप स्टूडियो एंड एकेडमी का हुआ भव्य उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / प्रयागराज- ब्यूटीशियन मेकअप आर्टिस्ट पूजा से लड़कियां एवं महिलाओं को करियर बनाने का सुनहरा मौका अब आपके शहर प्रयागराज स्थित तेलियरगंज बीकानेर के सामने एक शानदार मेकअप सेंटर,एंजिल्स मेकअप एंड स्टूडियो एकेडमी का हुआ भव्य उद्घाटन हुआ

उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से चीफ गेस्ट रही श्रीमती कुसुम जी के द्वारा फीता काटकर एक शानदार मेकअप सेंटर का ओपनिंग किया उद्घाटन समारोह के दौरान परिवार रिश्तेदार सहित क्षेत्र की महिलाएं बच्चे लड़कियां शामिल रही वही ब्यूटीशियन मेकअप आर्टिस्ट पूजा जायसवाल मीडिया से बात करते हुए बताया

कि हमारे यहां कम रेट पर लड़कियां महिलाएं सेंटर पर आकर मेकअप ब्यूटीशियन के सारे कोर्स करके लड़कियां महिलाएं अपना कैरियर बना सकती हैं जैसे फेशियल,ब्लीचिंग हेयर कटिंग, चोटी, वाशिंग, स्किन ट्रीटमेंट, थ्रेडिंग हेयर सेटिंग जैसे तमाम सर्विस उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से श्रीमती कुसुम मेकअप आर्टिस्ट पूजा, एडवोकेट आशुतोष द्विवेदी एडवोकेट, रवि चंद्रा,एडवोकेट अनीता राज, प्रतिभा सिंह, प्रतिमा, रत्ना सिंह, आदित्य प्रकाश,करन सिंह, कुंवर कृष्ण प्रताप सिंह,सौरभ केसरवानी,अभिषेक जायसवाल एवं कई मेहमान शामिल हुए।

गौसेवा का गूंजता संदेश: देवेंद्रनगर में ऐतिहासिक जन जागरण रैली आयोजन किया गया

बिना भेदभाव, बिना बंधन – सेवा और सद्भाव की सबसे बड़ी पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/ रमाशंकर तोमर / देवेंद्रनगर (पन्ना), मध्यप्रदेश स्वतंत्रता के बाद पहली बार देवेंद्रनगर में ऐसी ऐतिहासिक रैली होने जा रही है, जो किसी दल, धर्म, व्यापार या राजनीति के नाम पर नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और संवेदना के भाव पर आधारित होगी। 31 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे से गौ माता और निराश्रित पशुधन की रक्षा हेतु एक विशाल जन जागरण रैली का आयोजन किया गया है, जो सतना रोड से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पूरे देवेंद्रनगर को जागरूकता के भाव से भर देगी। नगर के प्रत्येक वर्ग – बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ, युवा, शिक्षक, व्यापारी, किसान और पंच-सरपंचों से लेकर आम नागरिक तक – सभी से इस रैली में शामिल होने का आह्वान किया गया है। आयोजकों का स्पष्ट कहना है कि यह रैली किसी भी प्रकार की राजनीतिक या धार्मिक भावना से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह सर्वधर्म समभाव और सर्वजन सहभागिता का प्रतीक बनकर सेवा का एक नया मानक स्थापित करेगी। प्रमुख वक्तव्यों की झलक- सौरभ जैन की अपील हर घर से एक कदम, हर मन से एक संकल्प – गौ माता और निराश्रित पशुधन की सेवा में देवेंद्रनगर एक हो। बृज बिहारी रावत का संदेश- 31 जुलाई की यह रैली सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि एक यज्ञ है – जिसमें सेवा ही आहुति है और करुणा ही पुण्य। निशांत पाठक की मांग- गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए – यही राष्ट्र निर्माण की सच्ची दिशा है। आशु जैन का विचार- नंदी बाबा को पत्थरों में नहीं, बल्कि जो जीवित रूप में हमारे द्वार आते हैं, उन्हीं की सेवा और पूजा होनी चाहिए – यही सच्चा धर्म है। हम सब मिलकर यह साबित करेंगे कि बिना राजनीति, बिना मंचबाज़ी, सिर्फ सेवा भावना के साथ भी कोई रैली ऐतिहासिक बन सकती है। यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों को एक सीख देगा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और संवेदना ही सच्ची राजनीति। मूल भावना- सेवा, समर्पण और सद्भाव इस रैली को लेकर सभी नगरवासियों और क्षेत्रीय पंचायतों से आग्रह किया गया है कि वे इसे राजनीतिक रैली के रूप में न लें, बल्कि इसे एक पूर्णत: निष्कलंक और मानवीय सेवा का सार्वजनिक संकल्प मानें। इसमें किसी जाति, धर्म, वर्ग या दल का कोई भेद नहीं है – यह देवेंद्रनगर की आत्मा की आवाज़ है।

01 अदद बैट्री रिक्शा व बरामदगी 01 अदद मोटर साइकिल हीरो स्पलेंडर प्लस तथा 02 अदद मोबाइल के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा पूर्व से वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये दिशा निर्देश के अनुपालन मे अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री राजकुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अयोध्या सिंह मय हमराहियान उ0नि0 मैनेजर यादव, हे0का0 तेज प्रताप चौधरी, का0 कृष्ण कुमार चौधरी व का0 अमित यादव के द्वारा दिनांक 31.07.2025 को अभियुक्तगण 1. विशाल पुत्र हरिराम उम्र करीब 22 वर्ष निवासी ग्राम डीहा अशोका थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच 2. संदीप पुत्र जीवन लाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम डीहा अशोका थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच को मुखबिर खास की सूचना पर तमाचपुर मोड़ थाना रामगांव जनपद बहराइच के पास से समय करीब 13.00 बजे मय चोरी गये ई-रिक्सा के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में पूर्व में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 267/25 धारा 303(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया था। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के समय मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशों का अक्षरश: पालन किया गया। अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान कर माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया ।

बिल्हौर में बार एसोसिएशन द्वारा सावन मास पर विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रद्युम्न कटियार / बिल्हौर (कानपुर नगर)= सावन मास के पावन अवसर पर बिल्हौर बार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को तहसील प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रसाद ग्रहण किया। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन माह में यह भंडारा आयोजित किया गया है, जिसमें दूर-दराज़ क्षेत्रों से आए शिवभक्त ने भी सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया । कार्यक्रम के दौरान तहसील परिसर में भक्ति गीतों की गूंज रही और वातावरण 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। आयोजन में बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता, स्थानीय नागरिक एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बिल्हौर संजीव कुमार दीक्षित भी पहुंचे और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में सहयोग किया,इस मौके पर दिनेश चंद्र अग्निहोत्री, अजीत सिंह,अनिल पाण्डेय, राम सिंह भदौरिया,के.के श्रीवास्तव, महेंद्र त्रिवेदी, बृजेश कटियार, भास्कर द्विवेदी, राजकुमार सिंह भदौरिया ,विनय गौतम, रामकिशोर पाल, शिवशरण तिवारी, महेंद्र कुशवाहा, शिवाकांत तिवारी, गौरव,आदेश तिवारी,आदर्श त्रिपाठी,सौरभ, समेत कई अधिवक्तागण मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारी गण को उपहार भेंट कर दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ बहराइच/ 06 पुलिसकर्मी पुलिस विभाग में अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी द्वारा पुलिसकर्मियों को फूल माला पहनाकर, शाल उढ़ाकर एवं उपहार स्वरूप उ0नि0 श्री सुशील कुमार सिंह, उ0नि0 श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव, उ0नि0 श्री राम स्वरूप, उ0नि0 श्री गजेन्द्र सिंह, फायरमैन राम अभिलाष तिवारी, आरक्षी घनश्याम को श्रीरामचरितमानस, ट्रॉली बैग भेंट कर विदा किया गया तथा उनके द्वारा दिये गये योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह, अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण व सेवानिवृत्त अधिकारी/ कर्मचारीगण के परिजन उपस्थित रहे।

बीडीओ का ताबड़तोड़ एक्शन मनरेगा कार्यों में अनियमिताओं को लेकर रोजगार सेवकों को नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत विकासखंड अधिकारी अमरिया ने मनरेगा कार्यों में अनियमिताओं, रोजगार सेवकों, तकनीकी सहायकों और महिलामेट के बैठकों में अनुपस्थिति के संबंध, अन्नपूर्णा भवन के निर्माण हेतु, सभी ग्राम प्रधानों, सचिवों, रोजगार सेवकों को निर्देश जारी किए हैं। मनरेगा कार्यों में हो रही अनियमितताओं, ग्राम पंचायतों में बनाए गए अमृत सरोवरों में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए विकासखंड अधिकारी दिनेश सिंह द्वारा ग्राम रोजगार सेवकों को नोटिस जारी किया गया है। वही विकासखंड अमरिया क्षेत्र के 30 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों व सचिवों के लिए अन्नपूर्णा भवन के निर्माण हेतु पूर्ति निरीक्षक अमरिया द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर उक्त अन्नपूर्णा भवनो का निर्माण सुनिश्चित किए जाने के संबंध में भी आदेश जारी किए गए हैं। विगत 28 जुलाई 2025 को तकनीकी सहायक रोजगार सेवक एवं महिलामेट की बैठक में अनुपस्थित 33 रोजगार सेवकों, महिलामेटो को खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिसमें संतोषजनक प्रतिउत्तर प्राप्त ना होने की दशा में उक्त तिथि को शून्य कार्य दिवस मानते हुए 1 दिन का वेतन काटने के आदेश दिए हैं। फर्जी हाजरियों एवं फोटो अपलोड करने के संबंध में ग्राम सुस्वार के पंचायत सहायक आशा देवी एवं ग्राम पंचायत बहरुआ के रोजगार सेवक बिन्दै सरदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विकासखंड अधिकारी की इस कार्रवाई से पूरे विकासखंड में हलचल का माहौल है। जानकारी के अनुसार सभी ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक एवं सचिव उक्त निर्देशो के संबंध में आपसी सांठ-गांठ करने में जुटे हुए है।

बिल्हौर में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना की मांग

सांसद अशोक कुमार रावत ने विधि मंत्री को पत्र देकर , क्षेत्रवासियों की समस्याओं का किया उल्लेख

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रद्युम्न कटियार / बिल्हौर (कानपुर नगर) मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक कुमार रावत ने बिल्हौर तहसील मुख्यालय में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना की मांग उठाई है, इस संबंअखबार ध में उन्होंने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र देकर क्षेत्रवासियों को हो रही कठिनाइयों का विस्तार से उल्लेख किया है। सांसद रावत ने पत्र में कहा कि बिल्हौर तहसील कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव जनपद की सीमाओं से जुड़ा हुआ क्षेत्र है, यहां का जिला मुख्यालय कानपुर नगर लगभग 60 किलोमीटर, कानपुर देहात 110 किलोमीटर और उन्नाव 125 किलोमीटर दूर स्थित है। इन दूरियों के कारण ग्रामीणों को न्यायिक कार्यों के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है, उन्होंने बताया न्यायालय के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध हैं, ऐसे में यहां मुंसिफ न्यायालय की स्थापना कर क्षेत्र की बड़ी आबादी को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जा सकता है सांसद अशोक रावत ने पत्र में अनुरोध किया है कि जनता की समस्याओं को देखते हुए न्यायालय की स्थापना के लिए आवश्यक कार्यवाही शुरू की जाए।

03 शातिर चोरों को चोरी किए 80 लीटर डीजल व प्रयुक्त एक कार सहित किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत थाना बरखेड़ा पुलिस द्वारा 03 शातिर चोरों को चोरी किए गए करीब 80 लीटर डीजल व घटना में प्रयुक्त एक कार सहित गिरफ्तार कर भेजा जेल पुलिस अधीक्षक पीलीभीत द्वारा जनपद में अपराधों की रोकथाम संज्ञेय अपराधों में संलिप्त अपराधियों व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 30.07.2025 को थाना बरखेड़ा पुलिस टीम द्वारा थाना बरखेड़ा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 229/2025 धारा 303(2)/ 317(2) बीएनएस में प्रकाश में आए अभियुक्तगण 1. भारत उर्फ निहाल पुत्र निर्मल कुशवाह निवासी कस्बा व थाना बरखेड़ा जनपद पीलीभीत2. नितेश पुत्र राजबहादुर निवासी ग्राम नंदपसियापुर थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत 3. मुनेश कुमार पुत्र केदारनाथ कुशवाह निवासी ग्राम लढैता थाना बीसलपुर जनपद पीलीभीत को ग्राम मचवाखेड़ा से मय चोरी किए गए करीब 80 लीटर डीजल से भारी 02 प्लास्टिक की केन मय 02 खाली कैन एक सफेद रंग का पाइप व घटना में प्रयुक्त एक क्षतिग्रस्त कार रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी14ष्टस् 8020 सीज शुदा अंतर्गत धारा 207 एमबी एक्ट व डीजल बिक्री से 2000/-रुपये नकद बरामद सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण उपरोक्त के विरोध विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। बरखेड़ा में खड़े ट्रक से लगभग 300 लीटर चोरी कर लेने के संबंध में मु0अ0सं0 229/2025 धारा 303(2) 317(2) बीएनएस बनाम अज्ञात चोर पंजीकृत कराया गया।

पड़री और पन्यारा गांवों के स्कूलों का निरीक्षण

नायब तहसीदार जितेंद्र सिंह चंदेल ने निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच के नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल ने आज ग्राम पड़री स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं ग्राम पनयारा स्थित विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया जहां पर उन्होंने निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन और शिक्षको से वार्ता की और स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं की संख्या की बारे में जान कारी ली और शिक्षा व्यवस्था व पाठ्य क्रम की प्रगति और शिक्षण कार्य का को देखा इस अवसर पर नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल ने क्लास में जाकर छात्र छात्राओं से सीधे बात की शिक्षा और विषय के बारे में भी पूंछा नायब तहसीलदार ने स्कूल के शिक्षकों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आनी चाहिए और समय अनुसार पाठ्यक्रम को पूर्ण करें का स्कूल के शिक्षकों ने बताया है की स्कूल के मैदान में इस समय पानी भरा रहता है जिससे छात्र छात्राओं को इस पानी में घुसकर आना जाना पड़ता है अगर इसकी कोई व्यवस्था हो जाए तो बच्चों को विद्यालय में आने जाने की सुविधा प्राप्त हो जाएगी जिस पर नायब तहसीलदार ने समस्या के समाधान हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी कोंच को निर्देशित किया इस दौरान प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदयभान निरंजन अनिल निरंजन शिक्षका संध्या निरंजन आराधना निरंजन शिक्षा मित्र साधना उच्च प्राथमिक विद्यालय से दिलीप पटेल शिक्षक चेतन यादव सहित अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे इस निरीक्षण को लेकर शिक्षकों में हड़कंप रहा

गौवंश संरक्षण को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में हुई महत्वपूर्ण बैठक, व्यवस्थाएं रहें दुरुस्त, गौशालाएं बनें आत्मनिर्भर: राजेश सिंह सेंगर

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ मा. सदस्य गौ सेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के साथ संयुक्त रूप ने गौवंश संरक्षण एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गौ संरक्षण अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों और मुख्य मार्गों पर विचरण करते पाए जाएं गौवंशों को शीघ्र गौशालाओं में संरक्षित किया जाए, तथा आश्रय स्थलों में स्वच्छता, कीचड़ मुक्त परिसर, भूसा, दाना व हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी गौ आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के नियमित संचालन और 24×7 केयरटेकर की उपस्थिति पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीमार व अशक्त गौवंशों के लिए पृथक कक्ष में इलाज और विशेष देखभाल की व्यवस्था हो, और जनपद के प्रत्येक आश्रय स्थल पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कैटल कैचिंग टीम को और अधिक सक्रिय किया जाए, और ऐसे पशुपालक जो अपने पालतू पशुओं को सड़कों, सार्वजनिक स्थलों या अन्य व्यक्तियों की भूमि पर छोड़ देते हैं, उनके विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी वसूला जाए।उन्होंने गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न विभागों के समन्वय से बायोगैस, कम्पोस्ट, पंचगव्य उत्पाद (जैसे- साबुन, फिनाइल, अगरबत्ती), जैविक खाद, कीटनाशक, गोबर गमले, लकड़ी (लट्ठे), और सीएनजी प्लांट जैसे उत्पादों के निर्माण और विक्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, जिला विकास अधिकारी प्रशांत पाण्डेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अवस्थी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पानी की निकासी न होने को लेकर शिकायत की

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। रेखा देवी पत्नी राजा भैया निवासी ग्राम लोना ने गुरुवार को कोंच की एसडीएम ज्योति सिंह को एक शिकायती पत्र देते हुये अवगत कराया है कि मुख्य मार्ग के किनारे मेरा मकान है जिसकी नाली का पानी नहीं निकल पा रहा है क्योंकि ग्राम के ही निवासी अविनाश व राजू पुत्र गण रामेश्वर विजय पुत्र तुलसीराम व अन्य ने पीडब्ल्यूडी के रास्ते कोंच बंगरा स्टेट हाईवे पर मिट्टी डाल कर रास्ता विरुद्ध कर दिया है इस कारण वहां की नाली बंद हो गई है और उसका पानी आस पास भरा रहता है जिससे बदबू आती रहती है और मच्छर सांप बिच्छू बरसाती कीड़े आ रहे है जब मेने उस नाली को खोलने की बात करते है तो वह लोग लड़ाई झगड़े पर आमादा हो जाते हैं पीड़ित महिला रेखा ने एसडीएम से कार्यवाही की गुहार लगाई है

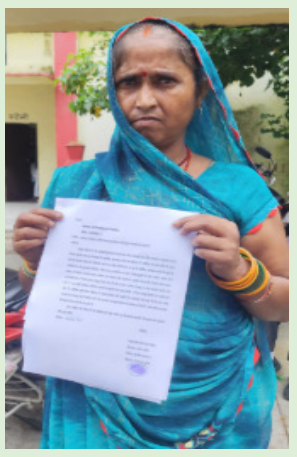

बाढ़ प्रभावित ग्रामों का प्रशासनिक दौरा: राहत व पुनर्वास कार्यों की समीक्षा, प्रभावितों को मिलेगी त्वरित सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी जिले में लगातार बारिश और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक अमला सक्रिय नजर आया। बुधवार को कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, कोलारस विधायक महेन्द्र यादव और पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर अतिवृष्टि प्रभावित ग्रामों का दौरा कर राहत और पुनर्वास कार्यों सीएमएचओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पंचायत सचिव, अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने राजस्व विभाग को निर्देश दिए फसल एवं मकान क्षति का शीघ्र सर्वे कर मुआवजा संबंधित आर्थिक सहायता दी जा सके। कोलारस विधायक महेन्द्र यादव शासन की ओर से सभी पीड़ितों को नियमानुसार हर संभव भी निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा सुविधाओं गए। प्रशासन की इस सक्रियता से ग्रामीणों को राहत की उम्मीद जगी है और यह दौरा बाढ़ प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। ने कोलारस एवं बदरवास विकासखंड के बाढ़ एवं की समीक्षा की। भ्रमण के दौरान एसडीएम कोलारस, पटवारी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम सहित अनेक कि सभी प्रभावित ग्रामों में आरबीसी 6(4) के तहत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, जिससे प्रभावितों को समय पर ने भ्रमण के दौरान ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य शिविर का की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

शामली के कुशल निर्देशन में आज ब्लॉक कांधला पर मेडिकल एसेसमेंट कैंप का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता/ कांधला शामली जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता राठौर शामली के कुशल निर्देशन में आज ब्लाक कांधला पर मेडिकल एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पांचवी वर्षगांठ के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र निर्गत हेतु कुल 49 दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस कैंप में अस्थि अक्षमता से ग्रसित 15 बच्चे, बौद्धिक क्षमता से ग्रसित 17, सेरेब्रल पॉलिसी 01 श्रवण दिव्यांग के 14 एवं अल्प दृष्टि के 02 बच्चों ने प्रतिभाग किया सहयोगी के रूप में कासीफ और सुबोध जिसमें स्पेशल एजुकेटर योगेश कुमार, अखिलेश मौर्या, सचिन शर्मा अखिलेश आनंद हरिद्वार, चंद्रवीर सिंह, दीपचंद चौधरी, मनोज कुमार, अनिल कुमार, अजय कुमार आदि समस्त स्पेशल एजुकेटर कार्यक्रम में उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम जिला समन्वयक समेकित शिक्षा जितेंद्र कुमार जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुधीर कुमार जी के देखरेख में कैंप को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

युवती के उपर तेजाब डालने की धमकी पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की एक युवती का आरोप है कि दो माह पूर्व उसके साथ एक युवक ने दुराचार किया।जेल जाने के बाद अब छूट कर आ गया है। युवती का आरोप है कि घर के सामने वह बर्तन साफ कर रही थी।तभी एक बाइक पर दो सवार आकर यह धमकी दिए कि मैं जेल से आ गया हूं।तुम मुझसे शादी कर लो। युवती घर की ओर भागी तो कहा कि तेरे ऊपर तेजाब डाल दूंगा। युवती ने मऊआइमा थाने में आरोपी युवक युसुफ तथा एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

थाना करछना पुलिस टीम द्वारा आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने के अभियोग की वांछित 01 अभियुक्ता व 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ मऊआइमा (प्रयागराज) थाना करछना पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-229/2025 धारा-108/351(2) बीएनएस की नामजद वांछित अभियुक्ता रेखा पाण्डेय पत्नी स्व0 हरिश्चन्द्र पाण्डेय निवासी लोहंदी थाना करछना जनपद प्रयागराज व नामजद वांछित 02 अभियुक्त 1.रोहित शर्मा पुत्र मनोज कुमार शर्मा निवासी लोहंदी थाना करछना जनपद प्रयागराज, 2.जय प्रकाश पाण्डेय पुत्र स्व0 तारकेश्वर प्रसाद पाण्डेय निवासी लोहंदी थाना करछना जनपद प्रयागराज को आज दिनांक-31.07.2025 को थाना क्षेत्र करछना अन्तर्गत ग्राम हनुमानपुर मोरी से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंध, बंदियों को उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं एवं मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल चिकित्सालय में चिकित्सकों से दवाओं की उपलब्धता व उपचार व्यवस्था की जानकारी ली गई। साथ ही जेल में संचालित शैक्षणिक व व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पहरेदारी प्रणाली, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति एवं सतर्कता उपायों का भी अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक नीरज देव आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कांधला में अफवाह ने मचाया हड़कंप, कोतवाल सतीश कुमार की मुस्तैदी ने लौटाया जनविश्वास

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता/ (कांधला, शामली) देर रात कांधला कस्बे के दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे स्थित राज गार्डन कॉलोनी में अचानक अफरा-तफरी मच गई जब कॉलोनी में ड्रोन कैमरा उड़ने और अज्ञात चोरों के घूमने की अफवाह फैल गई। यह खबर इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में पूरा मोहल्ला सड़कों पर आ गया। डर के माहौल में लोग अपने-अपने घरों की सुरक्षा के लिए लाठी-डंडे लेकर पहरा देने लगे।रात का सन्नाटा, अफवाहों का तूफान, और लोगों की आंखों में डर कॉलोनी की हर गली में खौफ का साया था। लोग अपने बच्चों और महिलाओं को घरों में सुरक्षित रखकर खुद सड़कों पर नजर रखे खड़े थे। चारों तरफ एक ही चर्चा थी - ड्रोन उड़ रहा है, चोर छतों पर घूम रहे हैं, कुछ होने वाला है सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सतीश कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने तुरंत स्थिति का जायजा लिया, कॉलोनी में गश्त बढ़ाई और लोगों से बातचीत कर माहौल को शांत किया। पुलिस की मौजूदगी से लोगों में विश्वास लौटा और धीरे-धीरे कॉलोनी का माहौल सामान्य होने लगा। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने मौके से स्पष्ट किया – यह एक अफवाह है उन्होंने कहा- किसी भी प्रकार का ड्रोन या संदिग्ध गतिविधि मौके पर नहीं मिली है। यह एक झूठी सूचना है जिसे फैलाकर क्षेत्र में दहशत पैदा करने की कोशिश की गई थी थाना प्रभारी की अपील जनता अफवाहों से सतर्क रहें। सोशल मीडिया या किसी अन्य माध्यम से मिली सूचना की सत्यता की पुष्टि किए बिना उसे साझा न करें। कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करेंजनता ने की पुलिस की मुस्तैदी की तारीफ राज गार्डन कॉलोनी के लोगों ने थाना प्रभारी सतीश कुमार का धन्यवाद जताते हुए कहा कि यदि पुलिस समय पर न पहुंचती, तो हालात बेकाबू हो सकते थे। अफवाह के कारण महिलाओं और बच्चों में काफी डर बैठ गया था, लेकिन पुलिस की तत्परता से सब सामान्य हुआ अब कांधला पुलिस अलर्ट मोड में गश्त बढ़ा दी गई है, ड्रोन जैसी हर अफवाह होगी बेनकाब। संदिग्ध सूचना या किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस हेल्पलाइन 112 पर संपर्क करें।

जलालाबाद निवार्ण महामहोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र पर हजारो की संख्या में पधारे श्रद्धालु

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली -श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री 1008 पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक का महोत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक विधि विधान के साथ पं0 राजकुमार जैन सहारनपुर के द्वारा संगीतमय के साथ श्री जी का प्रक्षाल पूजन किया गया। प्रक्षाल के बाद मूलनायक वेदी पर भगवान पार्श्वनाथ जी का अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रथम बोली सुरेन्द्र कुमार जैन निर्दोष कुमार जैन ऋषभ अतिशय जैन पुरखा जी वालो को प्राप्त हुयी। द्वितीय बोली नवीन जैन रमेश चन्द्र जैन सहारनपुर को प्राप्त हुई। तृतीय बोली आकाश जैन दिल्ली को प्राप्त हुई। शान्तिधारा के बाद 23 दीपो से से आरती करने का उषा जैन रितिका जैन नवीन जैन महावीर कॉलोनी सहारनपुर को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में श्री राकेश जैन पूर्व मैनेजर मुख्य अतिथि रहे । इन कार्यक्रमो के पश्चात धर्म ध्वजारोहण स्व0 श्रीमति हीरामणी जैन धर्मपत्नि स्व0 श्री सतेन्द्र जैन पुत्र राजीव जैन, संजीव जैन, संदीप जैन सपरिवार सहारनपुर वालो ने किया। मूल नायक वेदी पर 23 किलो के लडडू चढाने का श्री अशोक जैन ऋषभ जैन त्रिनगर दिल्ली वालो को सौभाग्य प्राप्त हुआ। दाये तरफ की वेदी पर 11 किलो का लडडू चढाने का आलोक जैन शामली को प्राप्त हुआ। बाये तरफ की वेदी पर 11 किलो का लडडू चढाने का सौभाग्य आशीष जैन शामली को प्राप्त हुआ। श्रावको ने समस्त कार्यक्रमो में दिल्ली, देहरूदन, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, रामपुर, नानौता, बडौत, बागपत दूर दराज से आये जैन श्रद्धालुओं ने बढचढकर भाग लिए। वात्सल्य भोज श्री सतेन्द्र जैन सर्राफ सपरिवार सहारनपुर की ओर से किया गया। समस्त कार्यक्रमो को सफल बनाने में अध्यक्ष तरुण कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री राकेश जैन, मंत्री सुशील कुमार जैन जलालाबाद, मुकेश जैन, प्रदीप कुमार जैन, जे0के0 जैन, सुभाष चन्द्र जैन, सुभाष चन्द्र जैन नानौता, उमेश जैन, भूपेन्द्र जैन, सुशील जैन, सतीस जैन, प0 सनत जैन, अर्पण जैन, डा0 पदम सिंह चौहान,श्याम बाबू खान, मनोज भरतरी, मुकेश शास्त्री, राजेंद्र भगत जी, मुरारी नारंग, सुनील जैन पानीपत, राजेश सैनी पूर्व सभासद,रणवीर सैनी, डॉ यशपाल शर्मा, अशोक अग्रवाल, सुशील गोयल,रेशू सेठी, प्रज्ञा जैन सुमित जैन भोपाल, ऋषिका जैन, सचिका जैन, ऋषभ जैन, सचिन जैन आदि ने सहयोग किया।

विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति व सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों का हुआ आयोजन। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य एवं विद्यालय प्रबंधकों को विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के संबंध में जागरूक करने के दिए निर्देश। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों का आयोजन किया गया। जिला विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा बैठक में आए विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधको को निर्देशित किया गया कि अपने विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में स्कूल वाहन की संख्या में वृद्धि करें, विद्यार्थियों के अभिभावकों को जागरूक करें कि वे असुरक्षित वाहनों से अपने बच्चों को स्कूल ना भेजें, नाबालिग विद्यार्थियों को दो पहिया वाहन से विद्यालय आने पर रोक लगाएं। छात्र- छात्राओं के मध्य सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करें। स्कूल वाहन चालकों के डीएल वेरीफिकेशन परिवहन विभाग से एवं उनके चरित्र सत्यापन पुलिस विभाग से अनिवार्य रूप से करवाये जाएं। विद्यार्थियों के मध्य सड़क सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति भी जागरूकता उत्पन्न करें। विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार के रूप में पौधे देना आरम्भ करें ताकि उनका प्रकृति के प्रति लगाव बढ़े। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा सड़क निर्माण एजेंसी PWD, NHAI, NH-PWD, MORTH के अधिशासी अभियंता एवं साइट इंजीनियरों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र अंतर्गत मार्गों पर जुड़ने वाले लिंक मार्गो पर स्पीड ब्रेकर बनवाएं टी पॉइंट पर स्लोप बढ़ाएं, ऐसा स्थान जहां लिंक मार्ग मुख्य मार्ग से जुड़ा है उसे पर प्रकाश व्यवस्था कराई जाए दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र पर चेतावनी बोर्ड, गति सीमा के बोर्ड, कैट्स आई, सेवरॉन बोर्ड, विद्यालयों के निकट टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर इत्यादि स्थापित कराई जाए। जनपद में चिन्हित ऐसे ब्लैक स्पॉट्स जहां पर सुधार आत्मक कार्यवाही कराई जानी शेष है उन पर यथा अपेक्षित सुधारात्मक कार्रवाई पूर्ण कर दी जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। बरेली पीलीभीत सितारगंज मार्ग पर हो रहे चौड़ीकरण कार्य के प्रगति की समीक्षा करने पर संबंधित कार्यदाई संस्था के साइट इंजीनियर द्वारा अवगत कराया गया कि यह कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मार्ग चौड़ीकरण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रावधानों का भी पूर्ण ध्यान रखा जाए ऐसा कोई भी कमी ना छोड़ी जाए जो कि भविष्य में ब्लैक स्पॉट बने। उन्होंने सड़क निर्माण संस्था को उनकी आपातकालीन सेवा 1033 का प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में घायलों को 1033 एंबुलेंस वाहन की सहायता से अस्पताल पहुंचाया जा सके। जनपद के सभी नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारियों को उनके क्षेत्र में वाहन स्टैंड आवंटित कैसे चालू उसे संचालन कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। आर्ट द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में बन चुके नए बाईपास जो की पूरनपुर मार्ग को तनक मुल्क मार्ग से जोड़ता है उसे पर अभी पर्याप्त मात्रा में संकेत तक नहीं है तीव्र मोड़ है तथा प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को नए वाइ पास पर आवश्यक सुधार किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। लाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्र में कराये जा रहे गौशालाओं के निर्माण में तेजी लाएं ताकि मुख्य मार्ग पर घूम रहे बेसहारा जानवरों को गौशाला भेजा जा सके एवं इनके कारण होने वाली दुर्घटनाओं में भी कमी आ सके। उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी यातायात, एआरटीओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रबंधक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृत प्रतिभा खोज की शामली जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय के होनहार चमके

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता/ शामली उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान में लखनऊ के तत्वाधान में संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता-2025 का आयोजन मुरली मनोहर इण्टर कॉलेज इस्सोपुरटील जनपद शामली में आयोजित की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि - मुख्य विकास अधिकारी (शामली)श्री विनय कुमार तिवारी महोदय के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। स्वस्ति वाचन एवं लौकिक मंगलाचरण से विद्यालय का सभागार गुंजायमान हो उठा। नीर क्षीर विवेकी निर्णायक मण्डल में डॉ हीरा सिंह, राजेन्द्र राही, ललित कुमार, एवं अखिलेश कुकरेती ने बड़े पारदर्शी एवं सहज दृष्टि से अन्तिम परिणाम तक पहुंचे। कार्यक्रम के आदरणीय अध्यक्ष महोदय एवं सभी सम्मानित निर्णायकों को भी मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया जनपद संयोजक रमेश चन्द्रा ने बताया कि दोनों प्रतियोगिताओं में छुपी हुई प्रतिभाएं निखर कर सामने आई हैं।संस्कृत गीत प्रतियोगिता में दिव्या अचलसिया प्रथम स्थान,यश द्वितीय स्थान एवं शालिनी शर्मा तृतीय स्थान प्राप्त करके अपने विद्यालय का नाम रोशन किए हैं सूरज,अनंत एवं सबा को सांत्वना पुरस्कार मिला संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अधिकतम अंक प्राप्त कर पायल प्रथम स्थान, एकता द्वितीय स्थान एवं कनक वर्मा तृतीय स्थान पर काबिज रहे,तथा अनिरुद्ध,अभिमन्यु, अर्पित ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी अगस्त माह में आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा करेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर ,संस्था प्रधान द्वारा सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापन एवं अन्त में राष्ट्र गान के बाद कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ।

क्षेत्र पंचायत सदस्य ने स्वयं की लाइसेंसी रिवाल्बर से कनपटी पर गोली मारकर की आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रयागराज के करछना थाना क्षेत्र के भुंडा चौकी अंतर्गत लोहन्दी (लगड़ी पटिया) गांव निवासी वर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य शिव शंकर पांडेय उर्फ दीपक बीडीसी पुत्र स्व0 राजेन्द्र प्रसाद पांडेय उम्र 36 वर्ष का पड़ोस की रहने वाली एक महिला रेखा पांडेय पत्नी ननकऊ से पानी को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे लेकर रेखा पांडेय ने करछना थाने में तहरीर देकर शिव शंकर पांडेय उर्फ दीपक समेत परिजनों के विरुद्ध बलात्कार समेत अन्य मामले को लेकर शिकायत की थी। जिसमे जांच के दौरान पुलिस को भी मामला फर्जी समझ में आने पर दोबारा जांच चल ही रही थी कि इसी बीच शिवशंकर पांडेय उर्फ दीपक को उनके खिलाफ बलात्कार में मुकदमा दर्ज होने की झूठी सूचना मिली जिस कारण वह डिप्रेशन में आ गए और कमरे का दरवाजा बंद कर अपनी स्वयं की लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर कनपटी के ऊपर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आनन फानन मे परिजन उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले गये। जंहा डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुचे एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना भेजा । परिजनों समेत सगे सम्बन्धियों की मौजूदगी में मृतक के भाई सूरज की तहरीर पर रेखा पांडेय समेत पांच लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के घर मे दो भाई,माँ,पत्नी बीनू, बेटा शनि व बेटी शिखा का रो रो कर बुरा हाल है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

AI will detect the risk of heart disease in advance, it will be easily known how much is the risk of heart failure

The death of young people due to sudden heart failure or cardiac arrest is a matter of concern. But recently scientists have developed an AI model (AI Model for Heart) which will detect the risk of heart disease in advance. This model will help in identifying the dangers hidden from the eyes of the doctor. AI model developed to detect heart diseases in advance Deep learning technology detects the causes of sudden heart failure Up to 93 percent correct prediction for people aged 40 to 60 Now the risk of sudden heart-related death can be identified in advance. American researchers have developed an AI technology (AI Model for Heart) for this. This technology is considered to be much more accurate and effective than the existing medical guidelines. The name of this model developed by scientists of Johns Hopkins University is 'Multimodal AI for Ventricular Arrhythmia Risk Stratification (MAARS)'. Sudden heart failure will be detected- Regarding this study published in the journal Nature Cardiovascular Research, scientists said that this model, by combining cardiac MRI images and health records of patients, identifies those hidden signs in the heart which are difficult for doctors to see normally. It focuses on hypertrophic cardiomyopathy (a genetic heart disease). Let us tell you, this is a common genetic disease which is a major cause of sudden heart failure in youth. Lead scientist Natalia Troyanova said, 'Many patients are dying due to this disease in their youth because they are not treated on time. At the same time, some people are unnecessarily living with a defibrillator. Our AI model can tell with 89 percent accuracy which patient is at a higher risk of sudden death. He said, the clinical guidelines used in America and Europe currently estimate only 50 percent accuracy in identifying patients at risk. In contrast, this model showed an accuracy of 89 percent. Also, it made 93 percent correct predictions for patients aged 40 to 60 years. What is special? - The special thing about this technique is that it understands the pattern of micro lesions present in the heart by analyzing contrast-enhanced MRI scans. With the help of deep learning technology, this model recognizes those warning signs that can cause sudden heart failure in the future. According to scientists, this model not only predicts the risk with more accuracy but it can also improve medical decisions. Apart from this, they suggested to try this AI model on patients on a large scale.

Drink this drink every morning on an empty stomach, fat will disappear in no time; you will get many other benefits

Nowadays people are troubled by obesity and take many measures to reduce weight, one of which is drinking lemon water in the morning. Lemon contains vitamin C and other nutrients that activate metabolism, improve digestion and remove toxins from the body. Lemon water is beneficial for health. It strengthens immunity. It also makes weight loss easier. In today's time, most people are struggling with the problem of obesity. Everyone definitely takes some measure to reduce weight. One of them is drinking lemon water every morning. Morning time is considered to be the most special for the body. In such a situation, if the day starts with something healthy, then not only the body feels energetic but also many diseases are prevented. Here people drink lemon water on an empty stomach. Lemon is also considered a medicinal fruit in Ayurveda, which contains vitamin C as well as many essential nutrients. In today's busy life, people have started adopting small changes to stay healthy, and drinking lemon water on an empty stomach in the morning has become one of those habits. Drinking it activates metabolism, improves digestion and removes toxins from the body. Let us tell you that lemon water cleanses the body from inside and helps in maintaining energy throughout the day. However, it is important to keep some things in mind while consuming it, such as quantity, temperature and regularity. Our article today is also on this topic. We will tell you what are the benefits of drinking lemon water every morning for your health. Let us know in detail - Effective in reducing weight If you are looking for an option to lose weight fast, then lemon water can be a great option. Drinking lemon water on an empty stomach daily burns calories rapidly. This makes it easier to lose weight. If you add a spoon of honey to it, you will see the effect soon. Improves digestion If you are troubled by the problem of constipation, acidity or indigestion, then you should drink lemon water every morning on an empty stomach. Along with citrus acid, vitamin C is also found in it. It balances the acid of the stomach. Drinking it also improves digestion. Boosts immunity Do you also fall sick frequently? If yes, then it is possible that your body's immunity has become weak. In such a situation, drinking lemon water strengthens immunity. Vitamin C and antioxidants present in lemon keep you healthy. Keeps the body hydrated If you drink less amount of water, then drinking lemon water every morning can be beneficial for you. This does not cause a shortage of water in your body. This makes you feel fresh and energetic throughout the day. Keep these things in mind It should be drunk on an empty stomach in the morning. Make sure the water is lukewarm. You can also add honey to it. Consult a doctor if you face any problem.

Why do some men feel insecure about their wife's progress? Not just Male Ego, 5 reasons make them insecure

Sometimes some men feel insecure about their wife's progress. Yes, society often considers it Male Ego but this is not the only reason behind it. Let's know 5 reasons that make men feel insecure about their wife's progress. In today's time, women are progressing in every field. Even after marriage, they are touching new heights in their career. It is not easy for every husband to appreciate the progress of wife. Have you ever wondered why some husbands are not able to digest when their wife climbs the ladder of success? Often people directly call it 'Male Ego', as if the whole story ends here. But is it really such a simple matter? The answer is - no! In fact, behind this, there are some unspoken fears and insecurities hidden somewhere deeper than ego, which trouble men from within. Let us today uncover those 5 hidden reasons (Male Ego And Wife's Success) which make a man feel insecure about his own wife's progress. Identity crisis- Many men are taught from childhood that he is the head of the house and the breadwinner. When the wife starts earning more or equal to him, an identity crisis can arise in his mind about his traditional role. He feels that perhaps he is no longer needed as much or his importance has diminished. This feeling can make him insecure. Comparison and social pressure- Men often associate their 'success' in society with their earnings. When their wife is more successful than him, he may feel inferior in front of his friends, family or society. He is afraid of what people will say or will question his manhood. This external pressure weakens him from within. Fear of losing control- Money and career are often associated with power and control. If the husband has always been the one taking financial decisions in the house, the wife's increasing income can make him feel that his control is diminishing. This fear sometimes turns into jealousy, especially if the husband feels that he will no longer be able to have his way in household matters. Insecurity and low self-esteem- If a man already has low self-esteem or is struggling in his career, his wife's success can further increase his insecurity. He starts feeling that he is not at his wife's level or that he does not 'deserve' her. This feeling constantly troubles him and can create a rift in the relationship. Fear of future anxiety and responsibilities- Some men fear the changes that will come in the future with their wife's progress. They feel that if their wife becomes more successful, their role in household responsibilities or child care will change. They may be worried about this new 'balance' or they may also fear that if the wife becomes so successful, she might leave them. What is the expert's opinion? - Dr. Aarti Anand, Senior Consultant in the Department of Psychiatry, Sir Ganga Ram Hospital, Delhi, says, "In Indian society, even today, men are considered the head of the house and the breadwinner. This is an old thinking where the identity of men is often linked to their work and their place in society. However, when the wife starts earning more than the husband or gets more respect in the society, this traditional thinking starts weakening. In such a situation, many husbands feel that their importance has diminished. They start doubting their abilities and fear sets in their mind that if the wife is better than them, then perhaps they themselves are inferior." Dr. Aarti further explains that this thinking increases insecurity. Husband and wife should support each other and work as a team, but sometimes comparison starts between them. Apart from this, the pressure of society also plays a big role in this, because often the question arises that "What will people say if the wife is in front and the husband is behind?" These things hurt the self-esteem of men.

This actress of Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi got only 1000 rupees in the name of fees, the money did not increase for 7 years

Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi reboot has returned to TV once again. This show of Ekta Kapoor has improved the career of many actors and got them recognition in every household. However, now after this show comes off television, the actress who played the villain in the first show told that she had worked on the same fees for 7 years. Did Ekta discriminate against this actress 25 years ago This villain will not return in Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi? When and at what time to watch Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi rebootFans are happy with the return of TV's cult show Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi reboot after 25 years. In this show, once again the audience will see their favorite Tulsi to Mihir and other characters of the show on TV. The special thing is that along with the old, many new faces are also becoming a part of this new season, which will add more charm to the show. However, amidst this excitement, it is still a suspense whether the most important villain will return to the show or not. Before the show goes on air on Star Plus, the actress recently expressed her anger and said how much discrimination there was between her and other actors 25 years ago regarding fees. Who was that actress, read the details below: Per day fee was only Rs 1000 for 7 years- Actress Jaya Bhattacharya, who played the role of villain Payal Parikh in Smriti Irani starrer show Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi, recently shared her experience during the shooting in 2000 in an exclusive conversation with Siddharth Kannan. However, the actress also told how she was discriminated against during this time. Jaya Bhattacharya said, "I was the most underpaid actor on that show, my salary was never increased. There was only one time when I talked about increasing my fees, because my co-actors were getting up to 2000 rupees per day and I was getting only one thousand, which hurt my ego. I never talked about increasing my fees after that and for 7 years my salary was not increased." What time will the first episode of the second season come today- Apart from this, when the anchor asked Jaya whether the fees of the other actors apart from you were increased? The actress replied, "Yes, that's why they have reached where they are today." Let us tell you that before this Smriti Irani had also told that before the start of this show, there were about 120 to 150 people who did not even have their own houses, but the show changed everyone's life. Let the fans of Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi show know that the second season of the cult show is going on air on Star Plus from today i.e. 29th July. As soon as the show Anupama ends, it will go on air on TV at its old time of 10:30 pm.

This popular Bollywood actress will not be a part of Bigg Boss 19, said- 'I will never...'

There is a discussion about season 19 of Colors TV's reality show Bigg Boss. Recently Jio Hotstar released the teaser. Meanwhile, a Bollywood actress has broken the silence on the rumors of participating in the show. She clarified that she is not participating in Bigg Boss and never intends to do so. The name of this Bollywood actress associated with Bigg Boss 19 The actress told the fans the whole truth of the viral claims Why the actress does not want to go to Salman Khan's show The upcoming season of Colors TV's controversial reality show Bigg Boss is being discussed a lot these days. Jio Hotstar recently shared the teaser of Bigg Boss 19 and officially announced it. For the first time after 18 seasons, the makers have also changed the logo of Bigg Boss. Show lovers are eagerly waiting for the new season. Meanwhile, a Bollywood actress has reacted to being a part of the show. Actually, her name is seen linked to every season of Salman's show. Not only TV, Bollywood stars also become a part of Bigg Boss. These days, there is a lot of discussion about the names of the contestants who will be a part of season 19. The makers have started approaching popular stars. Claims are often made about the names of some stars, but they do not want to be a part of this show. Well, now a popular actress has reacted to her name being linked to the show. Mallika Sherawat broke silence on Bigg Boss - Like every season, Mallika Sherawat's name was also seen linked to Bigg Boss 19. However, now it seems that the actress is fed up with such claims. She herself has made a big disclosure on Instagram story, saddened by the rumors. On Monday, in her Instagram story, Mallika Sherawat wrote, 'I am putting an end to all kinds of rumors. I am not doing Bigg Boss and neither do I ever intend to do it. Thank you.' Who all will be seen in Bigg Boss 19? - Before Mallika, Daisy Shah, Gaurav Taneja and Ram Kapoor had also termed the news of being a part of TV's popular reality show as mere rumours. The question arises that whose names are included in the list of potential contestants of this season. In the viral report, it is being claimed that the names of Neil Motwani, Arhan Ansari, Shashank Vyas, Khushi Dubey, Sharad Malhotra, Moon Banerjee and Lata Sabarwal are associated with the upcoming season, because the makers have approached them for Bigg Boss 19.

This TMKOC actress told the reason for Disha Vakani leaving the show! Said- 'She went once...'

Fans of the show have been waiting for a long time for the return of Disha Vakani, who plays Dayaben in Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah. Now a popular actress of this serial has spoken openly about her leaving the show and return. Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah remains in the discussion Why did Disha Vakani leave Taarak Mehta's show This actress revealed the reason TV's popular serial Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah has been entertaining people for years. The show's producer Asit Modi is also often in the news. He remains in controversies regarding controversies with the stars working in this popular show. Many old stars left the show due to quarrels or disputes with the producer. Fans of Sony Sab channel's popular show often wait for Disha Vakani's return. It has been more than eight years since she left the show, but people still wait for her comeback. Disha has not yet given any direct reaction about the reason for Asit Modi leaving the show. Meanwhile, a popular star of this show has talked about her leaving the show and not returning. Let's know what the actress has said about this. The actress who played the role of Mrs. Roshan opened up - Actress Jennifer Mistry Bansiwal, who played the role of Mrs. Roshan in the serial Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, had allegedly accused Asit Modi of sexual harassment. Since leaving the show, she has talked about the producer and the cast in many interviews. Now in an interview given to Pinkvilla, she told about Disha Vakani leaving the show and talked about the problems that came after being removed from the show. Jennifer got popularity on TV with the character of Roshan Bhabhi. People were surprised when she left the show, but when the actress revealed the reason behind it, people understood her decision. In a recent interview, the actress told that after being removed from the show, a case was filed against her and her brother also passed away. That time was full of sorrows for her. Also, the makers did not even give her money. The actress has made all these claims in the interview. What did the actress say about Disha Vakani? - Actress Disha Vakani, who plays the character of Dayaben, needs no introduction. The makers have been trying to bring her back to the show for a long time. Jennifer was asked whether Disha Vakani also left Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah due to the toxic environment. Responding to this, Jennifer said that 'I was pleading with them to return to the show during my pregnancy, but they were pleading in front of Disha so that she would return to the show. But this did not happen, she left and she left.'